MT - 114

Seat No. | | | | | | | |

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - II

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **2**

1) व्याकरण का उद्देश्य ----------

(अ) वाणी की शुद्धि माना गया है । (ब) शब्दों की शुद्धि माना गया है ।

(क) विचारों की सरलता माना गया है ।

2) यह चिड़िया बराबर बोलती है ----------

(अ) जुहो ! जुहो ! जुहो !

(ब) भोल जाला ! भोल जाला !

(क) सुबह हुई ! सुबह हुई !

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए : **3**

1) टीले पर एक बड़ा ..... वटवृक्ष था ।

2) पलाश भारतीय मूल का एक ..... वृक्ष है ।

3) उस समय वह ..... करने के मूड में था ।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1) गांधीजी ने मज़ाक करने वाले अपने एक कार्यकर्ता को क्या सलाह दी ?

2) लेखक का मन किस बात को गवारा नहीं कर पाया ?

3) लेखक ने किसकी आँखों में और क्यों टावेल लगाया ?

4) महंत ने नगर की असलियत जानने पर क्या फैसला किया ?

5) अपनी अनेक शक्तियों में से प्रीति के लिए अद्भुत शक्ति कौन - सी है और क्यों ?

ई) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए : **2**

1) ''बेचारी को कितना दुख है बिगड़ो मत ।''

2) ''तो बाबा जी, कुछ लेना हो तो ले लें ।''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :** **9**

1) विश्वामित्र 'मेरी वाणी में अमृत हो' ऐसी प्रार्थना क्यों करते हैं ?
2) 'वक्त के साथ दगाबाजी' कथन बाद में लेखक को यथोचित क्यों लगा ?
3) पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए क्या उपाय बताए ?
4) गोवर्धनदास ने खुश होकर अंधेर नगरी में ही रहने का फैसला क्यों किया ?
5) मंगली की स्थिति होटल के 'शेफ' की तरह कब और क्यों हो गई ?

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

समाजहित के नाम पर कार्यकर्ताओं की वाणी दूषित हो गई है, अर्थात मन ही दूषित हो गया है। फिर कृति कैसे भूषित हो सकती है ।

आज लेखन व भाषण के साधन सुलभतम हो गए हैं परंतु शायद इसी कारण सभ्य वाणी दुर्लभ हो गई है । सभ्य वाणी को खोकर सुलभ साधनों की प्राप्ति करना यानी कवि की भाषा में नेत्र बेचकर चित्र खरीदने जैसा है । मानव की महिमा केवल सुलभतम साधनों का संपादन करने में ही नहीं, अपितु उनको प्राप्त करके उनका कुशलतम उपयोग करने में है ।

1) कृति भूषित होने के लिए किसका शुद्ध होना आवश्यक है ?
2) सभ्य वाणी खोकर सुलभ साधन पाना किसके समान है ?
3) लेखक ने परिच्छेद में किसका महत्त्व प्रतिपादित किया है ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : **3**

1) यदि तू लौट पड़ेगा थककर, अंधड़ ..... से डर ।
2) जीवन ..... प्रथम प्रधान हो ।
3) क्षितिज अटारी गहराई ..... दमकी ।

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1) कृष्ण ने ब्रजवासियों के घर से अपने सखाओं को क्या खिलाया है ?
2) लहरों के उठने - गिरने की प्रक्रिया के साथ तट पर पछतावा कौन महसूस करता है ?
3) कवि त्यागी जी देश के बालकों से भविष्य के लिए क्या छोड़ देने को कहते हैं ?

ग) **निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

दूर तक जमीन पर शानदार जय लिखो,
तुम विशाल सिंधु पर खून से विजय लिखो,
तोड़ दो पिशाच के तुम हरेक जाल को ।

1) शूरवीर बालकों को जमीन पर क्या करना है ?
2) पिशाच से क्या तात्पर्य है ?
3) किसपर खून से विजय लिखना है ?

घ) **निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए :** **3**

निर्झर कहता है - बढ़े चलो, तुम पीछे मत देखो मुड़कर ।
यौवन कहता है - बढ़े चलो, सोचो मत क्या होगा चलकर

ड़) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :** **6**

1) कबीर ने गुरु के महत्त्व को किस प्रकार स्पष्ट किया है ?
2) नवयुग के नए विहान के लिए कवि कौन-कौन-सी इच्छाएँ प्रकट करता है ?
3) जमीन पर शानदार जय लिखने के लिए देश के बालकों को क्या करना है ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : **8**

1) चंदा माँगने वाले और देनेवाले लोग एक - दूसरे को किस तरह पहचान लेते हैं ?
2) लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की क्या जानकारी दी गई है ?
3) ईसाई धर्म में तुलसी का क्या महत्त्व है ?
4) थिंफू का राज्य संचालन कैसे किया जाता है ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :

1) अपनी - अपनी बीमारी
2) तुलसी का बिरवा

प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1) धीरे - धीरे 2) वाह !

छ) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :** **1**

1) साहब मंदिर के <u>पीछे</u> खड़े थे ।
2) व्यंग्य <u>बुरी</u> चीज है ।

ज) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :** **1**

1) चिंतक निश्चित वाणी की खोज करते हैं । (पूर्ण वर्तमानकाल)
2) नौकर स्टैंड का दरवाजा खोलता है । (अपूर्ण वर्तमानकाल)

झ) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :** **1**

1) तुम भ्रष्टाचार छोड़ दो ।
2) माँ हाथ बाँधकर कुर्सी में बैठी रही ।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) जाना 2) पहुँचना

ट) **निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :** **1**

1) सीना 2) ओढ़ना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) दीदी ने मनीषा को तुरंत बुलाया ।
2) मालिक ने बच्चों से कहकर नौकरों से सारी सफाई करवाई ।

ठ) **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :** **1**

1) सुनकर राष्ट्रपति के हँसी आ गया ।
2) राजा की हुक्म टल नहीं सकती ।
3) यह कहानी दामोदर खडसे जी ने लिखा है ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1) वे बोले यह तो आनंद का प्रश्न है
2) ग्वाले से कहता अब कचहरी में मिलना

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :** **3**

1) ठुकरा देना । 2) पैरों में पंख लगना ।
3) साँस फूलना । 4) दीवार टूट जाना ।
5) मोल लेना ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :
(मुँह मोड़ना, हाथ आना, लोट - पोट हो जाना,कानों में गूँजना, नाम - निशान न रहना)

1) बड़ी मुश्किल से अपराधी पुलिस की पकड़ में आया ।
2) नए जमाने के खेलों के आने से बहुत से पुराने खेलों का अस्तित्व ही मिट गया ।

3) बहुत दिनों पहले सुनी वह रसीली आवाज आज भी सुनाई - सी देती है ।
4) मित्र के चुटकुले सुनकर हमें बहुत प्रसन्नता हुई ।
5) पता नहीं, परिवार उसकी क्यों उपेक्षा करने लगा ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : 10

1) मेरा प्रिय शिक्षक ।
2) यदि मैं प्रधानाध्यापक होता..... ।
3) महँगाई : एक विकट समस्या ।
4) बूढ़े की आत्मकथा ।

प्रश्न 6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : 4

1) महेश / महिमा शर्मा, गांधी नगर, अमरावती – 355421 से स्वास्थ्य अधिकारी महानगर पालिका, को शहर में अशुद्ध जल की पूर्ति होने के कारण ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

2) दिवाकर /दिव्या कदम, सुंदर धाम, गुड़गाँव से शास्त्री विद्यालय के प्रधानाध्यापक को मासिक शुल्क माफ करवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखता /लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।

अंबरनाथ में फ्लैट बेचने के लिए विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए ।

(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है । 4

रूपरेखा : दो मित्र – सागर में तूफान – नाव का टूटना – दोनों का एक ही तख्ते का सहारा लेना – तख्ता केवल एक का भार सँभालने में समर्थ – 'मेरी माँ को संभालो' सूचना के साथ अविवाहित मित्र का तख्ते को छोड़ देना – दूसरे का बचना – सीख ।

(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो : 4

सुंदर प्रतिभा, मनभावनी चाल और स्वच्छंद प्रकृति ये ही दो-चार बातें देखकर मित्रता की जाती है । पर जीवन-संग्राम में साथ देने वाले मित्रों में इनसे कुछ अधिक बातें चाहिए। मित्र केवल उसे नहीं कहते, जिसके गुणों की तो हम प्रशंसा करें पर जिसे हम स्नेह न कर सकें । जिससे हम अपने छोटे काम को तो निकालते जाएँ पर भीतर ही भीतर घृणा करते रहें। मित्र सच्चे पथ-प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें । भाई के समान होना चाहिए, जिसे हम अपना प्रीतिपात्र बना सकें । हमारे और मित्र के बीच सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए, ऐसी सहानुभूति जिससे दोनों मित्र एक दूसरे की बराबर खोज-खबर लें । ऐसी सहानुभूति, जिससे एक के हानि-लाभ को दूसरा अपना

हानि-लाभ समझे । मित्रता के लिए आवश्यक नहीं हैं कि दो मित्र एक ही प्रकार का कार्य करते हों या एक ही रुचि के हों । दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में भी बराबर की प्रीति और मित्रता देखी जाती है ।

Best Of Luck

MT-114

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - II

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	व्याकरण का उद्देश्य **वाणी की शुद्धि माना गया है ।**	**1**
2)	यह चिड़िया बराबर बोलती है **जुहो ! जुहो ! जुहो !**	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :	
1)	टीले पर एक बड़ा **छायादार** वटवृक्ष था ।	**1**
2)	पलाश भारतीय मूल का एक **प्राचीन** वृक्ष है ।	**1**
3)	उस समय वह **आत्महत्या** करने के मूड में था ।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	गांधीजी ने मज़ाक करने वाले अपने एक कार्यकर्ता को सलाह दी कि वह गधा - सेवक - संघ' की स्थापना कर उसका महामंत्री बन जाए ।	**1**
2)	लेखक का मन कभी भी किसी कार्य को निश्चित समय पर करते समय किसी भी बात या बहाने को बीच में लाकर उसे टालमटोल करने या उसमें देरी करने को गवारा नहीं कर पाया ।	**1**
3)	लेखक ने फूड इन्स्पेक्टर की आँखों में उसके आँसू पोंछने के लिए टावेल लगाया ।	**1**
4)	महंत ने नगर की असलियत जानने पर वह नगर छोड़कर चले जाने का फैसला किया ।	**1**
5)	अपनी अनेक शक्तियों में से प्रीति के लिए अद्भुत शक्ति काम है क्योंकि यह सफलता को बाँधकर लाती है ।	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :	
1)	बिल्ली की हत्या के प्रायश्चित के लिए बड़ी भारी मात्रा अनाज, घी, नमक की माँग करने वाले पंडित परमसुख जी रामू की माँ की एक बात से नाराज होकर अपना पोथी - पत्रा बटोरना शुरू कर देते हैं । इसी संदर्भ में मिसरानी, छन्नू की दादी और किसनू की माँ पंडित जी को वहाँ से न जाने के लिए खुशामद करते हुए मनाने के लिए यह वाक्य कहती हैं ।	**2**

2) गोवर्धनदास अपने महंत के आदेश पर उस नगर में भिक्षा माँगने जाता है । वहाँ पर वह कुँजड़िन से भाजी का भाव, हलवाई से मिठाई का भाव और उस नगर व वहाँ के राजा का नाम पूछता है । जवाब मिलने पर वह कह उठता है, ''अंधेर नगरी, चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा ।''इसे सुनकर गोवर्धनदास से हलवाई कहता है, ''तो बाबा जी, कुछ लेना हो तो ले लें ।'' **2**

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 - 70 शब्दों) में लिखिए :**

1) सुप्रसिद्ध लेखक 'विनोबा भावे' जी ने 'वाणी का सदुपयोग' पाठ में सत्य, मित और मधुर वाणी के सभ्य और उचित प्रयोग के महत्त्व को बताया है । **3**

विश्वामित्र जी की प्रार्थना 'मेरी वाणी में अमृत हो' की सत्यता सिद्ध करते हुए विनोबा जी कहते हैं कि हमारे सभी व्यवहार वाणी पर ही निर्भर हैं । वाणी द्वारा ही मित्रता भी की जा सकती है और दुश्मनी भी । वाणी का वार कई शस्त्रों की तुलना में मानव मन पर बहुत गहराई से प्रहार करता है । हमारी वाणी हमेशा सुमधुर ही होनी चाहिए । सुमधुर वाणी द्वारा ही वक्ता का सर्वश्रेष्ठ प्रभाव श्रोता पर पड़ता है, उसी से मित्रता भी बढ़ती जाती है । सुमधुर वाणी द्वारा ही हम सफलता के नित नए द्वार खोल सकते और असफलता को नियंत्रित भी कर सकते हैं । कटुवाणी का प्रशंसक और समर्थक कोई नहीं होना चाहता है । इसीलिए हमें हमेशा मधुरभाषी बनकर सभी को अपना मित्र बनाए रखना चाहिए ।

इस प्रकार सारे विश्व से मैत्रीभाव बनाए रखने की अभिलाषा से विश्वमित्र 'मेरी वाणी में अमृत हो' ऐसी प्रार्थना करते हैं ।

2) सुप्रसिद्ध लेखक हरिवंशराय 'बच्चन' जी ने 'वक्त के साथ दगाबाजी' पाठ में गांधीजी के संस्मरण द्वारा समय की पाबंदी का महत्त्व बताया हैं । **3**

स्नान के लिए गर्म पानी से भरी बाल्टी लेकर जाते समय गांधीजी ने लेखक को सुनाकर कहा था कि जो काम जिस समय करना है, बस करना है, ऐसा न करना वक्त के साथ दगाबाजी है । दगाबाजी शब्द का प्रयोग उस समय लेखक को शायद यथोचित नहीं लगा था । लेखक को बाद में उन्हें पता चला कि गांधीजी की हिंदी बहुत अच्छी नहीं थी । वे अपनी अट - पटी वाणी में ही अपना सारा आशय कह डालते थे । गांधीजी शब्दों में नहीं बोलते थे, उनका हृदय बोलता था, उनका संपूर्ण व्यक्तित्व बोलता था, उनकी साधना बोलती थी, उनके बोल हृदय में घुल जाते थे । 'वक्त के साथ दगाबाजी' गांधीजी की अट-पटी हिंदी का एक नमूना था। पता नहीं वे क्या कहना चाहते थे परंतु जो भी कहना चाहते थे, हिंदी में उनके लिए यही शब्द सुलभ था । गांधीजी जो कहना चाहते थे, उसको दूसरे शब्दों में शायद नहीं कहा जा सकता था । वे हर शब्द तौलकर बोलते थे । न जरूरत से ज्यादा न जरूरत से कम, हर शब्द सच्चा, खरा और यथार्थ से भरा हुआ ।

इस प्रकार 'वक्त के साथ दगाबाजी' कथन लेखक को यथोचित लगा क्योंकि उन्हें गांधीजी के व्यक्तित्व का बोध हो गया ।

3)	लेखक 'भगवतीचरण वर्मा'जी ने 'प्रायश्चित' पाठ के माध्यम से धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है । पंडित परमसुख को जब यह पता चला कि बिल्ली की हत्या ब्रह्ममुहूर्त में हुई । इसे उन्होंने घोर कुंभीपाक नरक बताया । उन्होंने कहा कि प्रायश्चित कर लेने से सब कुछ ठीक हो जाएगा । शास्त्रों में प्रायश्चित का यह विधान बताया गया है कि बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए उसके वजन के बराबर सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दे । पूजा पाठ करना होगा । पूजा की सामग्री को पंडित जी के घर भिजवा दी जाए । उस सामग्री में करीब दस मन गेहूँ, एक मन चावल, एक मन दाल, मन भर तिल, चार पसेरी घी और मनभर नमक । इसके अलावा इक्कीस दिन का पाठ करना होगा । इक्कीस दिन के पाठ के लिए इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोनों समय पाँच-पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाना होगा । ब्राह्मणों के भोजन की चिंता न की जाए क्योंकि वे स्वयं इसके लिए दोनों समय भोजन कर लेंगे और उनके अकेले के भोजन करने से रामू के परिवार को पाँच ब्राह्मणों के भोजन का फल (पुण्य) मिल जाएगा । इस प्रकार पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए दानपुण्य करने के उपाय बताए ।	**3**
4)	लेखक 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' जी ने 'अंधेर नगरी' पाठ में 'मूर्ख राजा की मूर्ख प्रजा' रूपी अविवेकी वृत्ति से परिचित कराते हुए इससे बचे रहने की प्रेरणा दी है । अपने गुरु महंत की आज्ञा मिलने पर गोवर्धनदास अंधेर नगरी में पश्चिम की ओर भिक्षा माँगने के लिए चला जाता है । उस नगर में सभी चीजें एक ही भाव से बिकती हैं । भाजी और मिठाई टके सेर के भाव बिकती हैं । सारी चीजें इतनी सस्ती देखकर वह खाने - पीने की चीजें खरीदना चाहता है । वह खाने का बड़ा शौकीन है । मिठाइयाँ उसे बहुत पसंद है । इस नगर में तरह - तरह की मिठाइयाँ भी टके सेर के भाव मिलती है । उसे लगता है कि दूसरी जगह दिन भर माँगने पर भी पेट नहीं भरता है । यहाँ कम कीमत में ज्यादा मिठाइयाँ मिल जाती है । भिक्षा में गोवर्धनदास को सात पैसे मिलते हैं, जिससे वह आनंदित हो जाता है । उसके मन में यह विचार आता है कि इससे बेहतर जगह और कहीं नहीं मिलेगी । इस प्रकार गोवर्धनदास के मन में यह विचार आया कि रहने के लिए अंधेर नगरी ही सबसे अच्छी जगह है ।	**3**
5)	लेखक 'दामोदर खड़से' जी ने 'साहब फिर कब आएँगे माँ ?' पाठ में गरीबी लाचारी दुख और आर्थिक विषमता से घिरी अभावग्रस्त जीवन का मार्मिक चित्रण किया है । मुख्यमंत्री के लंच में परोसे जाने वाले व्यंजन को लेकर होटल गोल्डन गेट के मैनेजर और मालिक काफी दुविधा में थे । कलेक्टर के पी.ए. ने विशेष रूप से होटल के मैनेजर को फोन पर सूचित किया था कि मुख्यमंत्री जी के भोजन में मक्के की रोटी और सरसों का साग अनिवार्य रूप से होना चाहिए । होटल के मेनू में ये व्यंजन उपलब्ध नहीं थे । इसीलिए मैनेजर असमंजस की स्थिति में था । किसी अन्य होटल से इन व्यंजनों की व्यवस्था करना होटल की प्रतिष्ठा को दाँव पर लगाने के समान	**3**

	था । अंततः होटल के मुख्य रसोइए ने होटल में बर्तन माँजने वाली मंगली के रूप में समाधान पा लिया था । मंगली मक्के की रोटी - सरसों का साग बनाने में कुशल थी । मैनेजर ने तुरंत होटल के मालिक को इस बारे में सूचित किया और मंगली को रसोइए की जिम्मेदारी सौंप दी गई । अचानक महत्त्व मिलना उसकी कल्पना से परे था, इससे वह कुछ सकपकाई कि आज उसे क्यों इस लायक समझा गया । आज होटल को उसकी आवश्यकता है, यह विचार उसे बहुत सुखद लगा । इस प्रकार मंगली की स्थिति होटल में 'शेफ' की तरह रसोइए की जिम्मेदारी आत्मविश्वास और कुशलतापूर्वक निभा सकने के कारण हो गई ।	
	ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	कृति भूषित होने के लिए वाणी का शुद्ध होना आवश्यक है ।	**1**
2)	सभ्य वाणी खोकर सुलभ साधन पाना नेत्र बेचकर चित्र खरीदने के समान है ।	**1**
3)	लेखक ने परिच्छेद में सभ्य वाणी का महत्त्व प्रतिपादित किया है ।	**1**
उ.2.	**क) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखित कीजिए ।**	
1)	यदि तू लौट पड़ेगा थककर, अंधड़ **कालबवंडर** से डर ।	**1**
2)	जीवन **शिल्पी** प्रथम प्रधान हो ।	**1**
3)	क्षितिज अटारी गहराई **दामिनी** दमकी ।	**1**
	ख) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	कृष्ण ब्रजवासियों के घर से अपने सखाओं को गोरस (दूध - दही - मक्खन) खिलाते थे ।	**1**
2)	लहरों के उठने - गिरने की प्रक्रिया के साथ तट पर पछतावा नाविक महसूस करता है ।	**1**
3)	कवि त्यागी जी देश के बालाकों से भविष्य के लिए मिसाल छोड़ देने को कहते हैं ।	**1**
	ग) निम्नलिखित दिए गए पठित पद्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	शूरवीर बालकों को जमीन पर शानदार जय लिखना है ।	**1**
2)	पिशाच से बुराई का तात्पर्य है ।	**1**
3)	विशाल सिंधु (सागर) पर खून से विजय लिखना है ।	**1**
	घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए ।	
	भावार्थ : मनुष्य को आगे बढ़ते समय ज्यादा सोच - विचार नहीं करना चाहिए और कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए । झरना हमें यह संदेश देता है कि मार्ग में कितनी भी रुकावटे क्यों न हो, कैसी भी स्थिति क्यों न हो परंतु हमें निरंतर आगे ही बढ़ते रहना चाहिए । इसी तरह युवावस्था का यह	**3**

संदेश है कि हम सतत चलते रहें । हम यह न सोंचे कि लगातार चलते रहने से क्या लाभ होगा ।

यदि मनुष्य को जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो उसे निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए और कभी यह नहीं सोचना चाहिए कि उसका फल कब मिलेगा ?

ड़) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :**

1) संतकवि 'कबीरदास' जी ने 'कबीर के दोहे' कविता के माध्यम से संतोष, अतिथि - सेवाभाव, गुरु के महत्त्व तथा दान की महत्ता को बताया है । **3**

कवि कबीर जी कहते हैं कि हमारे जीवन में गुरु का बहुत बड़ा महत्त्व है । जो गुरु को पराया समझते हैं अर्थात महत्त्व नहीं देते वे बहुत बड़े अज्ञानी हैं । उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं कि ईश्वर के रूठ जाने से गुरु की शरण मिलना संभव है परंतु गुरु के रूठ जाने पर इस संसार में हमें कहीं कोई भी शरण नहीं मिल सकती । अर्थात गुरु को पराया न समझ कर हमें उनके चरणों में पूर्ण रुप से समर्पित हो जाना चाहिए । सारी विपत्तियों से वे ही हमारी रक्षा कर सकते हैं ।

इस प्रकार कबीर ने गुरु के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए कहा है कि ईश्वर के रूठ जाने पर भी गुरु की शरण संभव है ।

2) कवि 'सुमित्रानंदन पंत' जी ने 'जनगीत' कविता में सभी मानवों को एकता के सूत्र में एक हो जाने के संकल्प के साथ अन्याय, शोषण एवं उत्पीड़न को समाप्त कर 'मुक्तव्यक्ति' और संगठित समाज की कल्पना की है । **3**

नवयुग के नए विहान की कल्पना करने वाला कवि चाहता है कि लोग आपसी मतभेद भूलाकर संगठित और एकमत हों । सर्वत्र निर्भयता का वातावरण हो । विकास का समय आ गया है । सभी को एक जैसा मान - सम्मान और यश प्राप्त हो । लोग निजी स्वार्थों से ऊपर उठें । सार्वजनिक कार्यों में रुचि लें और सफलता में सबको समान यश मिले । लोगों में उमंग और उत्साह हो । अब किसी का शोषण न हो । किसी के साथ अन्याय न हो । समाज के हर व्यक्ति को स्वतंत्रता मिले और समाज एकता के सूत्र में बँधे । व्यक्ति के गुणों को प्रमुखता मिले । सभी को आगे बढ़ने की पूरी आजादी हो ।

इस प्रकार नवयुग के नए विहान के लिए कवि ने अपनी अनेक शुभेच्छाएँ प्रकट की हैं ।

3) कवि 'रामावतार त्यागी' जी ने 'थाम लो सँभालकर' कविता में नई पीढ़ी के कंधों पर देश की बागडोर सौंपते हुए, देश को प्रगतिपथ की नई दिशा प्रदान करने का प्रेरक चित्रण किया है । **3**

गौरवशाली भारत देश की आजादी और उसके स्वाभिमान की रक्षा का उत्तरदायित्व अब देश के शूरवीर बालकों के कंधों पर है । उन्हें आठों पहर सतर्क रहकर सरहदों की हिफाजत करनी है ताकि दुश्मन के नापाक इरादे कामयाब न हो सकें । उन्हें जलसेना, वायुसेना और थलसेना के दम पर अपनी विजय पताका फहरानी होगी । दुश्मनों को मुँहतोड़ जवाब देते हुए भी देश की गौरवशाली परंपरा और मर्यादा का उल्लंघन नहीं करना है अर्थात अपनी मानवता और भारतीयता को बरकरार रखना है । रणभूमि में विजय या वीरगति प्राप्त करने के लिए दुश्मनों को अंतिम साँस तक चुनौती देते रहना है ताकि वह हमारे देश की धरती पर अपना अधिकार जमाने का सपना साकार न कर सके ।

इस प्रकार जमीन पर शानदार जय लिखने के लिए देश के बालकों को जल, थल और वायुसेना को सुदृढ़ करते हुए सरहदों की सुरक्षा करनी होगी ।

उ.3. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :

1) सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है । **4**

लेखक के अनुसार ऐसा व्यक्ति जो कई वर्षों से चंदा माँगने वालों का सामना कर रहा हो, यदि उसके पास कोई भी चंदा माँगने जाए तो वह तुरंत पहचान लेगा कि ये चंदा माँगने वाले लोग हैं । ठीक इसी तरह चंदा माँगने वाले अनुभवी भी उसे फौरन पहचान लेते हैं । चंदा लेने और देने वालों को एक - दूसरे के हाव - भाव और रंग - ढंग की बखूबी जानकारी होती हैं । इसके बावजूद चंदा लेने और देने वाले अपनी जिम्मेदारी अवश्य निभाते हैं । लेखक अपनी आप बीती बताते हुए कहते हैं कि उन्हें भी अक्सर किसी - न - किसी के यहाँ चंदा माँगने जाना ही पड़ता था । इस बार वे सज्जन के यहाँ चंदा माँगने गए जो चंदा न देने का अभ्यासी था । अतः दोनों एक - दूसरे के मन भावों से परिचित थे । वे सज्जन भी शायद समझ गए थे कि लेखक बिना चंदा लिए टल जाएगा और लेखक भी समझ गए कि उन सज्जन से चंदा मिलना असंभव है ।

इस प्रकार चंदा माँगने वाले और देने वाले एक - दूसरे को अपने अनुभवों के आधार पर पहचान लेते हैं ।

2) सुप्रसिद्ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है । **4**

लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ किऊल रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित था । विद्यापीठ जाने के लिए उस जनहीन बीहड़ स्टेशन पर उतरकर मोटर मार्ग द्वारा जाना पड़ता है । किऊल से लक्खी सराय का मोटर मार्ग भी निरापद नहीं है । यहाँ आए दिन डाके पड़ते ही रहते हैं । इसलिए विद्यापीठ की बालिकाओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित करते समय लेखिका को अनुरोध किया गया कि यात्रा कठिन अवश्य है, संभवतः आपको कष्ट भी होगा किंतु चिंता की कोई बात नहीं है । कुछ सहयोगी कार लेकर किऊल सटेशन पर उपस्थित रहेंगे । लक्खी सराय का बालिका विद्यापीठ प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था रही है । यहाँ की बालिकाएँ शिक्षा पूर्ण के बाद जब विदा लेती हैं, तो उन्हें उसी स्नेह और आत्मीयता से विदा किया जाता है, जैसे पुत्री को मायके से विदा किया जाता है । बालिकाओं के विदाई कार्यक्रम पर अक्सर किसी प्रसिद्ध साहित्यकार को अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया जाता है । गत वर्ष महादेवी जी पधारी थीं । उनके हाथ का लगा वृक्ष जिस अहाते में है, इस वर्ष विदा हो रही बालिकाओं की हार्दिक इच्छा थी कि उसी वृक्ष के पास में लेखिका के हाथों से लगा वृक्ष भी लहलहाएँ ।

इस प्रकार लक्खी सराय के बालिका विद्यापीठ की संक्षिप्त जानकारी दी गई है ।

3)	लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । ईसाई धर्म के लोग भी हिंदुओं की तरह तुलसी को पवित्र मानते हैं । अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेट बेसिल' यानी 'पवित्र तुलसी' कहते हैं । कहते हैं कि ईसाइयों में तुलसी के पौधे को पवित्र माने जाने का मुख्य कारण यह है कि यह पौधा ईसा मसीह (क्राइस्ट) की कब्र पर उगा था । फ्रांस के लोग तुलसी को 'ल प्लांती रोयली' अर्थात 'राजसी पौधा' कहते हैं । इटली और ग्रीस के लोग तुलसी के गुणों से परिचित थे । यही कारण है कि संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की टहनियों को गिरजाघर में ले जाती हैं और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो । कुछ पत्तियों को खा लेने और कुछ को अपने वार्डरोब में चूहे व कीड़े भगाने के लिए प्रयोग करने की प्रथा भी है । इस प्रकार ईसाई धर्म में तुलसी को पवित्र व रोग विनाशक माना गया है ।	**4**
4)	लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है । थिंफू भूटान की राजधानी है । भूटान का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग से किया जाता है । रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल भूटान नरेश को राज-काज में सलाह देते हैं । काऊंसिल में कुल आठ सदस्य होते हैं । राष्ट्रीय विधान सभा की बैठक झाँग में ही होती है । विधानसभा में कुल 150 सदस्य होते हैं, जिनमें से एक सौ बीस जनप्रतिनिधि होते हैं । बीस सदस्यों की नियुक्ति शासन द्वारा की जाती है और दस सदस्य धर्मपीठ के सदस्य होते हैं । थिंफू का झाँग भी एक दर्शनीय स्थल बन गया है । इस प्रकार थिंफू का राज्य-संचालन एडवाइजरी काऊंसिल तथा विधान सभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है ।	**4**
	अथवा	
	निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :	
1)	सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है । 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में परसाई जी ने लोगों की अपनी - अपनी परेशानी को सटीक हास्य - व्यंग्य शैली में प्रस्तुत किया है । लेखक के अनुसार इस संघर्षपूर्ण संसार में किसी व्यक्ति का जीवित रहने के लिए संघर्ष जारी है तो किसी व्यक्ति का संघर्ष अपनी संपन्नता को बनाए और बचाए रखने के लिए है । धनी वर्ग अंतहीन टैक्स की बीमारी से जकड़ा हुआ है । पुस्तक - विक्रेता बंधु पुस्तकों की कम बिक्री से दुखी है । गांधी - प्रतिष्ठान में कार्यरत ईमानदार व्यक्ति वहाँ की बेईमानी से व्यथित है । आठ कमरोंवाले मकान का निर्माता पैसों के अभाव में छह कमरे ही बना पाने के कारण दुखी है । एक अन्य व्यक्ति को रोटरी मशीन आ जाने के बाद मोनो मशीन मिलने में हो रही परेशानी का दुख है । लेखक भी अपने बिजली के बिल को ना भर पाने की समस्या से परेशान है । लेखक ने बड़े	**8**

	अमीरों से अनुरोध किया है कि वे अपने धन का कुछ हिस्सा भी यदि दान कर दें तो गरीबों को इससे बड़ी मदद मिलेगी और बड़े अमीरों को भी भारी टैक्स की बीमारी से मुक्ति मिल जाएँगी । इस प्रकार प्रस्तुत पाठ 'अपनी - अपनी' बीमारी में समाज के भिन्न - भिन्न वर्ग के लोगों की कठिनाईयों पर प्रकाश डालना ही लेखक का उद्देश्य है ।	
2)	लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । भारतवासियों को जिन चीजों से लाभ होता है, वे उनकी पूजा करना नहीं भूलते । यही कारण है कि भारत के अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है । स्त्रियाँ तुलसी का विवाह भी रचाती हैं । ईसाई धर्म के लोग भी तुलसी को पवित्र मानते हैं । इटली और ग्रीस के लोगों को तुलसी के गुणों की जानकारी पहले से है । संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की डालियाँ गिरजाघर में ले जाती है और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो । तुलसी के 'बेसिल, सेक्रेट बेसिल','बसिलिकोन','ओसिमम सैक्टम तथा 'ल पलांति रोयली' आदि अनेक नाम हैं । भारतवासी खाँसी, सर्दी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया जैसे रोगों में तुलसी के पत्तों का गर्म पानी या चाय के रूप में उपयोग करते हैं । इसकी मंजरी का उपयोग भी बीमारियों में किया जाता है । इसकी तेज सुगंध कीटाणुओं को नष्ट कर देती है । इससे कीट - पतंगे और मच्छर दूर भाग जाते हैं । वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी रोगाणुओं तथा संक्रमण को रोकती है । कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान ने खोज कर बताया कि तुलसी के तैलीय पदार्थ से टी. बी. (यक्षमा) जैसे रोगों का नाश हो जाता है । भारतवासी धार्मिक कार्यों में भी तुलसी के पत्ते का प्रयोग करते हैं । चरणामृत तथा देवताओं को चढ़ाए जानेवाले जल में भी तुलसी का पत्ता अवश्य डालते हैं । अभी इस क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा और भी अनुसंधान की जरूरत है ।	**8**
उ.4.	**च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**	
1)	रेलगाड़ी **<u>धीरे - धीरे</u>** चल रही थी ।	**1**
2)	**<u>वाह !</u>** क्या बात कही है आपने ।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :	
1)	साहब मंदिर के **<u>पीछे</u>** खड़े थे । **उ. अव्यय**	**1**
2)	व्यंग्य **<u>बुरी</u>** चीज है । **उ. विशेषण**	**1**
	ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :	
1)	<u>चिंतकों ने</u> निश्चित वाणी की खोज <u>की हैं</u> ।	**1**
2)	नौकर स्टैंड का दरवाजा <u>खोल रहा है</u> ।	**1**

ञ) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :**

1) दो (देना) सहायक क्रिया । **1**

2) रही (रहना) सहायक क्रिया । **1**

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) वाक्य :- मेरा सब सामान चोरी हो गया । **1**

2) वाक्य :- दूसरे ही दिन सब आ पहुँचे । **1**

ट) **निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :**

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
1) सीना	सिलाना	सिलवाना **1**
2) ओढ़ना	ओढ़ाना	ओढ़वाना **1**

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) दीदी ने मनीषा को तुरंत बुलाया । **प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया** **1**

2) मालिक ने बच्चों से कहकर नौकरों से सारी सफाई करवाई । **द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया** **1**

ठ) **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :**

1) सुनकर राष्ट्रपति को हँसी आ गई । **1**

2) राजा का हुक्म टल नहीं सकता । **1**

3) यह कहानी दामोदर खड़से जी ने लिखी है । **1**

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1) वे बोले, ''यह तो आनंद का प्रश्न है ।'' **1**

2) ग्वाले से कहता, ''अब कचहरी में मिलना ।'' **1**

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**

1) **ठुकरा देना –** इनकार करना । **1**

वाक्य : आंदोलनकारियों की माँग को सरकार ने ठुकरा दिया ।

2)	**पैरों में पंख लगना –** खुशी के कारण कदम जमीन पर न पड़ना । **वाक्य :** राधिका के अच्छे अंक आने के कारण उसके पैरों में पंख लग गए ।	**1**
3)	**साँस फूलना –** हाँफने लगना । **वाक्य :** दो - चार सीढ़ियाँ चढ़ते ही दादाजी की साँस फूलने लगती है ।	**1**
4)	**दीवार टूट जाना –** अड़चन समाप्त हो जाना । **वाक्य :** बच्चे के आने से माता - पिता के बीच पड़ी दीवार टूट गई ।	**1**
5)	**मोल लेना –** दाम देकर खरीदना । **वाक्य :** राकेश ने कुछ दिनों पहले ही एक भैंस मोल ली थी ।	**1**
	अथवा **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :**	
1)	बड़ी मुश्किल से अपराधी पुलिस के **हाथ आया ।**	**1**
2)	नए जमाने के खेलों के आने से बहुत से पुराने खेलों का **नाम - निशान ही नहीं रहा ।**	**1**
3)	बहुत दिनों पहले सुनी वह रसीली आवाज आज भी **कानों में गूँज रही है ।**	**1**
4)	मित्र के चुटकुले सुनकर **हम लोट - पोट हो गए ।**	**1**
5)	पता नहीं, परिवार ने उससे क्यों **मुँह मोड़ लिया ।**	**1**
उ. **5.**	**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.132 - Q.38	**10**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.130 - Q.35	**10**
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.116 - Q.20	**10**
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.105 - Q.10	**10**
उ. **6.**	(त) **निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 186 - Q.3	**4**
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 194 - Q.11	**4**
	(थ) **निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।**	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 204 - Q.10	**4**
	(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :**	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 80 - Q.1	**4**

❐❐❐❐❐